संदर्भ संख्याः 3/SSI/13952 12 जून 2020

आदरणीय सिद्वार्थनाथ सिंह जी,
माननीय मंत्री
सुक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन
उत्तर प्रदेश सरकार ,
लखनऊ

विषयः 9 जून 2020 को अमर उजाला द्वारा आयोजित बेविनार में आई0आई0ए0 की ओर से आपके समक्ष रखे गये प्रस्तावों/सुझावों के सम्बन्ध में।

महोदय,

9 जून को अमर उजाला द्वारा आयोजित बेविनार में इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन (आई0आई0ए0) का प्रतिनिधित्व करते हुए मैने आपके समक्ष उत्तर प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 उद्यमों के उत्थान के सम्बन्ध में कुछ प्रस्ताव/निवेदन प्रस्तुत किये थे। इन प्रस्तावों /निवदनो को इस पत्र के माध्यम से लिखित में आपको इस उद्देश्य से प्रेषित कर रहे है ताकि आप इन पर उचित कार्यवाही करने की कृपा कर सके :–

1. आपके विभाग द्वारा बहुत अच्छी और व्यवहारिक एम0एस0ई0 परचेज एवं प्राईस प्रेफरेंस पॉलिसी जारी की है। अक्सर देखा गया है कि कागजों पर अच्छी नीतियॉ बन जाती है परन्तु धरातल पर उनका क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण नही होता है। अतः निवेदन है कि इस पॉलिसी के क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण की प्रक्रिया निर्धारित की जाए जिसमें प्रमुख एम0एस0एम0ई0 एसोसिएशनों को भी शामिल किया जाए।

2. इस समय उत्तर प्रदेश में कुशल एवं अकुशल कामगार जिनमें स्थानीय और प्रवासी दोनो ही सम्मिलित है, बड़ी संख्या में काम की तलाश में घुम रहे है। इस मानवशक्ति का उपयोग करना सरकार और औद्योगिक संगठनों की प्राथमिकता होनी चाहिए जिसके लिए उद्योग धन्धो का सुदृढ़ होना तथा नये उद्योग धन्धे लगाया जाना एक मात्र समाधान है। इस दिशा में आपने बेविनार में अनेक परियोजनाओं /योजनाओं के बारे में बताया था। आई0आई0ए0 की ओर से भी मैने कुछ प्रस्ताव प्रस्तुत किये थे जिन पर त्वरित कार्यवाही की आवश्यकता है जो निम्नलिखित हैः–

   (i) प्रदेश में लगभग 150 सुक्ष्म एवं लघु ट्रॉसफार्मर मरम्मत करने वाली इकाईयॉ स्थापित है जिनसे पूर्व में यूपीपीसीएल/डिस्कॉम्स ट्रॉसफार्मर मरम्मत करवाते थे। परन्तु आज इन इकाईयों को नही के बराबर काम दिया जा रहा है। औसतन इन इकाईयो में लगभग 50 कामगारों को रोजगार दिया जा सकता है यदि इन इकाईयों को पूर्व की भॉति यूपीपीसीएल/डिस्कॉम्स द्वारा कार्य दिया जाए। इससे प्रदेश में न केवल रोजगार बढ़ेगे अपितु यह सभी 150 इकाईयॉ रूग्णता की स्थिति से भी बच जाऍगी।
   अतः निवेदन है कि इन 150 सूक्ष्म एवं लघु ट्रांसफार्मर इकाईयों को यूपीपीसीएल/डिस्कॉम्स से पूर्व की भांति कम दिलाने की कृपा करें।

   (ii) ग्रामीण इलाकों में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयॉ स्थापित करने के लिए कृषि भूमि का औद्योगिक भू–परिवर्तन कराने में अत्यधिक कठिनाई होती है। भू–परिर्वतन किये बगैर कोई भी बैक उद्योग को ऋण नही देता है। यद्यपि प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में एम0एस0एम0ई0 खाद्य प्रसंस्करण इकाईयॉ स्थापित करने की बहुत बड़ी गुॅजाइश है परन्तु इस प्रकार की कठिनाईयों से यह विस्तार नही हो पा

रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयॉ स्थापित होने से जहॉ एक और स्थानीय मानवशक्ति को रोजगार मिलेगा वही किसानों की आमदनी में भी बढ़ोतरी होगी। अतः निवेदन है कि ग्रामीण क्षेत्रों में एम0एस0एम0ई खाद्य प्रसंस्करण इकाईयॉ स्थापित करने के कार्य को मिशन मोड में किया जाए और भू–परिवर्तन की प्रक्रिया को सरल बनाया जाये।

(iii) प्रदेश में सौर ऊर्जा के उपयोग तथा इस सेक्टर में एम0एस0एम0ई0 उद्यमों को उस समय बहुत बड़ा झटका लगा जब प्रदेश में नेट मीटरिंग की व्यवस्था को उद्योगों और व्यवसायिक संस्थानों के लिये समाप्त कर दिया गया। इस कारण आज किसी भी उद्योग अथवा व्यवसायिक प्रतिष्ठान में सोलर संयन्त्र नही लग रहे है। इससे जहॉ एक ओर प्रदेश में सौर ऊर्जा उद्योग पतन की ओर अग्रसर है वही सौर ऊर्जा प्रोत्साहन एवं पर्यावरण सुधार का प्रदेश एवं केन्द सरकार का उद्देश्य भी पूर्ण नही हो रहा है। अतः निवेदन है कि उत्तर प्रदेश में उद्योगों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में नेट मीटरिंग व्यवस्था पुनः लागु करवाने का कष्ट करें।

(iv) लीज होल्ड औद्योगिक भूमि को फ्री होल्ड करने का निर्णय अनेक वर्षो से लम्बित है। यदि यह निर्णय प्रदेश सरकार लेती है तो इसके अनेक लाभ होगे जो निम्नलिखित हैः–

– वर्तमान उद्योगों द्वारा अतिरिक्त भूमि दूसरे उद्यमियों को बेचने से उनकी आज के कठिन समय में तरलता बढ़ेगी और वे अधिक उत्पादन और रोजगार पैदा कर सकेगें।

– प्रदेश में औद्योगिक भूमि नये उद्योग स्थापित करने के लिए आसानी से उपलब्ध नही है। वर्तमान उद्योगों की यह अतिरिक्त भूमि इन नये उद्योगों को स्थापित करने में उपयोग हो सकेगी।

– इस अतिरिक्त भूमि पर उद्योग लगने से रोजगार बढ़ेगा।

– नये उद्योग स्थापित होने से सरकार का कर राजस्व बढ़ेगा।

– लीज होल्ड भूमि का फ्री –होल्ड परिवर्तन प्रक्रिया में सरकार /विकासकर्ताओं को भी राजस्व की प्राप्ति होगी।

आई0आई0ए0 प्रदेश में लीज होल्ड भूमि को फ्री होल्ड करने की मॉग अनेक वर्षो से करता आ रहा है। आज की परिस्थिति में यह मॉग और भी प्रासंगिक हो गई है। अतः निवेदन है कि आई0आई0ए0 की इस मॉग को शीध्रताशीघ्र पूर्ण किया जाए।

(v) आई0आई0ए0 द्वारा संलग्न पत्रों के माध्यम से एम0एस0एम0ई एवं एक्सपोर्ट प्रमोशन विभाग को प्रमुख सचिव महोदय के आग्रह पर 113 उद्यमों के डिलेड पेमेन्ट का विवरण प्रस्तुत किया है। आशा है इस पर उचित कार्यवाही हो रही होगी। यदि यह 300 करोड़ रूपये से अधिक की बकाया धनराशि इन उद्यमों को मिल जाती है तो वे रूग्णता की ओर अग्रसर होने से बच जाएँगें तथा अपनी उत्पादकता बढ़ाकर अधिक रोजगार सृजन कर पाएँगें। अतः निवेदन है कि इस लम्बित बकाया धनराशि का भुगतान प्रदेश के सुक्ष्म एवं लघु उद्योगों को शीघ्र दिलवाने की कृपा करे।

(vi) एम0एस0एम0ई0 के लिए लागू जटिल एवं बहुत अधिक मात्रा में रूल्स और अधिनियम बड़ी बाधा है। हाल ही में माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा घोषणा की गई थी कि प्रदेश में श्रम कानूनों का सरलीकरण किया गया है। यह सरलीकरण प्रदेश के सभी एम0एस0एम0ई0 (नये एवं पुराने) उद्योगों के लिए शीघ्र लागू करवाने का कष्ट करें।

3. उत्तर प्रदेश की देश के कुल हैण्डीक्राफ्ट निर्यात में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। परन्तु देश से निर्यात के अन्य सेक्टरों को मिला ले तो देश के कुल निर्यात में प्रदेश की हिस्सेदारी नगण्य है। इस हिस्सेदारी

को बढ़ाने के लिए आपका विभाग प्रयासरत है तथा अनेक प्रोत्साहन योजनाओं पर कार्य कर रहा है। इस सम्बन्ध में आपके विभाग द्वारा एक ड्राफ्ट स्कीम तैयार की है जिस पर आई0आई0ए0 के सुझाव मॉगे गये थे। आई0आई0ए0 द्वारा अपने सुझाव पत्र संख्याः 3/SSI/13806/3 दिनांक 19/11/2019 द्वारा प्रेषित कर दिये है जिसकी प्रतिलिपि **संलग्नक–क** पर प्रेषित है।

4. प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण तथा सोलर सेक्टर के अतिरिक्त अन्य सेक्टरों में एम.एस.एम.ई उद्यम स्थापित करने और रोजगार सृजन की अपर सम्भावनाये हैं। इस सम्बन्ध में आईआईए का सुझाव है कि फर्मास्यूटिकल्स, मेडिकल इक्विपमेंट/इंस्ट्रूमेंट, ई–व्हीकल कॉम्पोनेन्ट एवं एक्सेसरीज डिफेन्स सप्लाइज के क्षेत्रों में प्रदेश में एम.एस.एम.ई उद्योग स्थापित करने हेतु शीघ्र कार्य प्रारम्भ किया जाये। आईआईए इस कार्य में सहयोग करने के लिए तत पर है।

निवेदन है कि उत्तर प्रदेश से निर्यात को बढावा देने के लिए आई0आई0ए0 के उपरोक्त सुझावों को शीघ्र लागू कराने की कृपा करें।

आशा करते है कि आई0आई0ए0 के उपरोक्त प्रस्तावों/निवेदनों पर आप उचित कार्यवाही करवाने की कृपा करेगें। इन प्रस्तावों पर यदि आप विस्तृत वार्ता करना चाहे तो हम आपकी सुविधानुसार उपस्थित होगें।

धन्यवाद

पंकज कुमार
राष्ट्रीय अध्यक्ष